माननीया राज्यपाल–सह झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का राँची कॉलेज के **2nd Graduation Ceremony-2017** के अवसर पर अभिभाषण

Ranchi University के **V.C.**, **Pro V.C.**, **Registrar, Ranchi College** के **Principal,** उपस्थित शिक्षाविद्, पदाधिकारीगण, अभिभावकगण, प्रेस एवं मीडिया के बंधुओं और आज इस समारोह के मुख्य आकर्षण मेरे प्यारे **Students**!

राँची कॉलेज के **2nd Graduation Ceremony** के पावन अवसर पर मैं आप सभी को बधाई देती हूँ, विशेष रूप से उन विद्यार्थियों को जो आज इस समारोह में उपाधि प्राप्त कर रहे हैं।

प्राकृतिक एवं खनिज सम्पदा से समृद्ध हमारे राज्य में विकास की असीम संभावनायें हैं, लेकिन बौद्धिक संपदा के बिना हम इनका कुशलतापूर्वक समुचित उपयोग नहीं कर सकते। इस परिप्रेक्ष्य में **Educational Institution** की भूमिका अहम हो जाती है।...

...ज्ञान, विज्ञान और अनुसंधान के इस युग में अपने विवेक, सद्बुद्धि एवं **I.T.** के विभिन्न अवयवों/आयामों के जरिये हम विकास की गति को और तीव्र कर सकते हैं और स्वयं के जीवन में भी सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

राँची कॉलेज, झारखण्ड के बहुत पुराने और गौरवशाली में शिक्षण संस्थानों में प्रमुख है। यहाँ के **teachers** के मार्गदर्शन में **students** ने अपनी **talent** से **Education, Administration, Politics & different Profession** में उपलब्धि हासिल की है। इसकी गौरवशाली परंपरा निरंतर अक्षुण्ण रहे, उसका दायित्व अब आपके कंधों पर है।

प्रसन्नता का विषय है कि वर्ष **2009** में राँची कॉलेज को, **Autonomous** प्राप्त हुआ। सुखद है कि यहाँ कई **Job Oriented Courses** की पढ़ाई शुरू की गई है, यथा– **Environmental Science** में **P.G. & B.Sc. (Honours)**, **Electronics** में **Gradation Level** पर **Honours, ...**

...Computer Application में **P.G. level** पर पढ़ाई, **Information Technology** में **P.G.** की पढ़ाई, **Microbiology Science** में **Gradation Level** पर **Honours** की पढ़ाई, **Business Administration** में **Graduation** एवं **P.G.** की पढ़ाई इत्यादि। इसके अतिरिक्त मनोविज्ञान, उर्दू, मानव विज्ञान के साथ **Regional languages**– नागपुरी, कुड़ुख, मुण्डारी, कुरमाली, खोरठा, एवं खड़िया विषयों में **M.A.** की पढ़ाई आरंभ करना सराहनीय है। साथ ही **Graduation Level** के विभिन्न विभागों को विस्तार किया जाना तथा उन्हें **upgrade** कर **P. G.** स्तर का बनाया जाना एक सार्थक पहल है। लेकिन प्रतियोगिता के इस युग में उपाधि के साथ ज्ञान का होना भी जरूरी है, तभी रोजगार के विभिन्न अवसर विद्यार्थियों के लिए स्वतः उपलब्ध हो सकेंगे।...

...इसके लिए यह आवश्यक है कि हमारे महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय गुणवत्तापूर्ण उच्चतर शिक्षा अपने विद्यार्थियों को प्रदान करें। आज के वैज्ञानिक प्रगति एवं वैश्विक बाजार के इस दौर में यह बात ध्यान देने योग्य है कि हमारे डिग्रीधारी विद्यार्थियों को रोजगार के उचित अवसर मिले। इस **College** से अपेक्षा है कि शिक्षा का यह ऐसा वातावरण स्थापित करने हेतु अग्रसर हों कि राज्य ही नहीं, बल्कि पूरे देश में अच्छे एवं मॉडल **Educational Institution** के रूप में गणना हो।

यह उल्लेखनीय तथ्य है कि प्रतियोगिता के इस युग में विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होना चाहिए। **Class** में सीखे ज्ञान की सार्थकता, उसके सामाजिक प्रतिफलन में है। हमारे **Educational Institutions** की यह प्रयास करना चाहिए कि विद्यार्थी एक सामाजिक, सु–संस्कृत और कुशल नागरिक के रूप में विकसित हों। वे नैतिकवान एवं चरित्रवान हों। ऐसे नागरिक निश्चित रूप से देश और समाज के लिए अमूल्य संपदा सिद्ध होंगे। इन अर्थों में देखें तो **Degree Ceremony** शिक्षा का समापन नहीं; बल्कि आरम्भ है।

प्रिय विद्यार्थियों, आज आप **Degree** ग्रहण कर रहे केवल यही जीवन का मकसद नहीं है। अब आप जीवन के कर्म–क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं, जहाँ आपको अपनी क्षमता एवं प्रतिभा से अपनी पहचान स्थापित करनी है। आप लोगों को अपने **Career** का चयन करना है। इसमें सफलता के लिए अनुशासित जीवन अति आवश्यक है। आप कभी भी अपने–आपको कमजोर न समझें, हमेशा मजबूत इरादों के साथ लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ें और अपनी प्रतिभा से सफलता का ऐसा परचम लहरायें कि आपको **Ranchi College** ही नहीं, बल्कि पूरा राज्य और राष्ट्र आदर्श उदाहरण के रूप में पेश करें। आप दूसरों के लिए अनुकरणीय बनें।

आज जबकि राँची कॉलेज **upgrade** होकर **University** का आकार लेने जा रहा है तो निश्चित तौर पर हम सबके लिए यह गौरव की बात है। यह कहने कि आवश्यकता नहीं है कि अब आपसे अपेक्षा भी बहुत बढ़ गई है। इस संस्थान को परिश्रम, निष्ठा, सौमनस्य के साथ और आगे ले जाने के लिए सबको **committed** होना होगा।...

...लोगों की अपेक्षाओं को पूर्ण करने हेतु रचनात्मक होकर कार्य करना होगा। इसकी छवि ऐसी स्थापित हो कि सुदूरवर्ती राज्यों के विद्यार्थी भी यहाँ नामांकन कराने एवं पढ़ने हेतु लालसा रखें। इस संस्थान से शहर एवं राज्य का सम्मान भी जुड़े। **Colleges** या **University** केवल उपाधि वितरण के लिए नहीं बने हैं, अपितु अनुसंधान के नित नये आयाम **Explore** करने की आवश्यकता है। ज्ञान–विज्ञान के **traditional** और **contemporary sources** को पहचान कर उसे व्यवहार में लाने की जरूरत है। शिक्षण संस्थानों में बेहतर **library, laboratory** की मौजदूगी के साथ सभी प्रकार के आधारभूत संरचना विकसित हो। शिक्षण संस्थान में सर्वस्व ज्ञान का माहौल हो। शिक्षक अपने ज्ञान को फलदायी बनायें। गुरू–शिष्य संबंध प्रगाढ़ हो।

मैं इस बात पर भी बल देना चाहूँगी कि हमारे विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में **Admission** लेने वाले विद्यार्थी आरंभ से ही, **Personality Development, Language Development & Skill Development** की दक्षता हासिल करने के लिए उन्मुख हों। सरकार इस दिशा में हर संभव मदद करने के लिए तत्पर हैं। अतएव, विद्यार्थी, शिक्षक एवं पदाधिकारी सरकारी योजनाओं का लाभ अवश्य उठायें, ताकि शैक्षणिक विकास की गति तीव्र हो सके। उपाधि वितरण समारोह के इस अवसर पर मैं आप सभी के सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!